No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

07204

दिसम्बर, 2016

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) हिन्दू-मुसलमानों के हिन्दुस्तान-पाकिस्तान के बँटवारे का बीज सरकारी नौकरियों को हिन्दू-मुसलमानों में सांप्रदायिक अनुपात में बाँटने के दिन या उनके चुनाव क्षेत्र अलग-अलग बना देने से नहीं बोया गया था बल्कि मुसलमानों को म्लेच्छ और अछूत समझने के दिन से बो दिया गया था । हिन्दू को आप अछूत बनाकर भी दबा सकते हैं क्योंकि वह आपके धर्म से बँधा है । मुसलमान तो उस धर्म से बँधा नहीं । वह अछूत समझे जाने का अपमान क्यों बर्दाश्त करे ?

(ख) बेटा, दिल से फ़क़ीरों-दरवेशों की हिफ़ाजत कर । अपने आराम की फ़िक्र न रख । कोई भी अक्लमंद यह पसंद न करेगा कि चरवाहा पड़ा सोता हो और भेड़िया उसके गोल में रहे । होशियारी से दरवेशों-मुहताजों का ख्याल रख । इसलिए कि रियाया की बदौलत ही बादशाह ताजदार होता है । रियाया जड़ की तरह है और बादशाह दरख़्त की तरह और दरख़्त जड़ से ही मज़बूत होता है ।

(ग) जब मैं प्रेम पर आर्थिक प्रभाव की बात करता हूँ तो मेरा मतलब यह रहता है कि वास्तव में आर्थिक ढाँचा, हमारे मन पर इतना अजब-सा प्रभाव डालता है कि मन की सारी भावनाएँ उससे स्वाधीन नहीं हो पातीं और हम जैसे लोग जो न उच्च वर्ग के हैं, न निम्न वर्ग के, उनके यहाँ रूढ़ियाँ, परंपराएँ, मर्यादाएँ भी ऐसी पुरानी और विषाक्त हैं कि कुल मिलाकर हम सभी पर ऐसा प्रभाव पड़ता है कि हम यंत्रमात्र रह जाते हैं ।

(घ) तुम मँझोली हैसियत के मनुष्य हो और मनुष्यता के कीचड़ में फँस गये हो । तुम्हारे चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ है ।

कीचड़ की चापलूसी मत करो । इस मुग़ालते में न रहो कि कीचड़ से कमल पैदा होता है । कीचड़ में कीचड़ ही पनपता है । वही फैलता है, वही उछलता है ।

2. 'झूठा-सच' के आधार पर जयदेव पुरी का चरित्र-चित्रण कीजिए । *10*

3. 'ज़िन्दगीनामा' की भाषा और शैली की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की कथावस्तु के आधार पर उसके प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए । *10*

5. 'राग दरबारी' में निहित व्यंग्यात्मकता का वैचारिक आधार क्या है ? स्पष्ट कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) 'झूठा-सच' की महाकाव्यात्मकता

   (ख) 'ज़िन्दगीनामा' का परिवेश

   (ग) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के माणिक मुल्ला

   (घ) 'राग दरबारी' में निहित जीवन-दृष्टि